मानसश्री गोपाल राजू (वैज्ञानिक)
(राजपत्रित अधिकारी) अ.प्रा.
ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र
30, सिविल लाईन्स
रूड़की 247667 (उ.ख.)
फोन : (01332) 274370
मोः 09760111555
website : www.astrotantra4u.com
E-mail:gopalraju12@yahoo.com

दूर करें दुकान पर लगी बद नज़र

प्रायः सुनने में आता है कि काम, दुकान अथवा भवन को किसी ने बांध दिया। अकस्मात् धन की आगत अवरुद्ध हो गयी। कार्य को किसी की बद्नज़र लग गयी। बांधना कुछ करने कराने वाली जैसी बातें सामान्यतया मैं नहीं मानता हूँ। क्योंकि ऐसी बातें अधिकांशतः उस अबौद्धिक वर्ग के तांत्रिक-ज्योतिष द्वारा फैलायी जाती हैं जो पहले तो इन बातों से लोगों में एक अज्ञात भय पैदा करते हैं फिर उसको धन आदि किन्हीं बातों से कैश कराते हैं। ऐसा भी नहीं है कि 'कुछ' होता नहीं है, होता अवश्य है, परन्तु वह केवल 5-10 प्रतिशत इसलिए सर्वप्रथम तो मन में ऐसी बात पनपने ही न दें। स्वस्थ मानसिकता और प्रभु में अटूट आस्था रख कर अपना कर्म और धर्म करते रहें। फिर भी किन्हीं ऐसी बातों से भ्रमात्मक तथा विपरीत स्थति बनने लगे तो एक उपाय अवश्य करें।

उन्नति के मार्ग पुनः प्रशस्त होंगे। दुकान के लिए तो ये प्रयोग बहुत ही प्रभावशाली सिद्ध हुआ है।

किसी भी शनिवार को दुकान बंद करने से पूर्व उसमें एक मुट्ठी साबुत उड़द की दाल बिखेर दें। दुकान के प्रवेश द्वार पर (जिससे अधिकांशतः आना-जाना हो) बाहर से अंदर जाते समय बायीं ओर धरती पर हल्दी के घोल से स्वास्तिक बना लें। इस पर कच्चे सूत के एक धागे का छोर रखें। दुकान के अंदर क्रमशः बांये से दांये चलते हुए सूत इस प्रकार छोड़ते चलें कि अंदर से पूरी दुकान सूत से बंध जाये। सूत का दूसरा छोर बांयी ओर बने स्वास्तिक पर समाप्त करें। धूप-दीप आदि कोई उपक्रम करते हैं तो वह आपके अपने ऊपर है। अब दुकान को बंद करके निःशब्द घर लौट आयें। अगले दिन अर्थात् रविवार को प्रातः काल 7-8 बजे से पूर्व दुकान खोलें। जिस क्रम से धागा बिछाया था उसके विपरीत क्रम अर्थात् दायें से बायें घूमते हुए धागा उठा कर समेंट लें। जितने बिखरे हुए दाल के दानें मिल सकते हों वह भी जमां करलें। इन्हें हाथ से चुनें, झाड़ू से एकत्र न करें। धागे को वहां ही जला लें। इसकी राख, उड़द की दाल के दानें पहले क्रय किए हुए 1-2 किलो बाजरे में मिला लें। यह सब लेकर कहीं किसी नदी के किनारे बैठ जाए। थोड़ा सा बाजरा अपने एक हाथ में रखें। दूसरे से बहते हुए पानी को इस पर छोड़ें। बाजरे को धीरे-धीरे उंगलियों के मध्य बनें छिद्र से गिर कर नदी में बहने दें। जब एक हाथ थक जाए तो यह क्रम हाथ बदल कर तब तक करते रहें जब तक कि सारा बाजरा विसर्जित न हो जाए। इसके बाद निःशब्द घर अथवा दुकान लौट जाएं। इस पूरे काल में कोई भी लक्ष्मी प्रदायक मंत्र निरंतर जपते रहें।

''ॐ नमो नारायणाय'' मंत्र सबसे अधिक प्रभावशाली सिद्ध होता है। ऐसा अनेक दुकान दारों को अनुभूत हुआ है। इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि बाजरा बहाने में कुछ समय अवश्य लगे। ऐसा न हो कि जल्दी से वह छोड़ कर आप लौट आएं। एक शब्द पुनः कहूंगा, इस उपाय से आपको अच्छा अवश्य लगेगा।

मानसश्री गोपाल राजू (वैज्ञानिक)
(राजपत्रित अधिकारी) अ.प्रा.
ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र
30, सिविल लाईन्स
रूड़की 247667 (उ.ख.)
फोन : (01332) 274370
मोः 09760111555
website : www.astrotantra4u.com
E-mail:gopalraju12@yahoo.com